अर्द्धवार्षिक परीक्षा

समय : 3.00 घण्टे | कक्षा - 12 | पूर्णांक : 100

साहित्यिक हिन्दी

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए–

1. (अ) रागदरबारी किस विधा की रचना है– 1
   (क) नाटक (ख) उपन्यास
   (ग) संस्मरण (घ) रेखाचित्र

   (ब) परीक्षागुरु की रचना विधा है– 1
   (क) नाटक (ख) कहानी
   (ग) जीवनी (घ) उपन्यास

   (स) एकांकी में अंक होते हैं। 1
   (क) एक (ख) तीन
   (ग) पांच (घ) अनेक

   (द) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी है– 1
   (क) पुरस्कार (ख) पंचलाइट
   (ग) आत्माराम (घ) उसने कहा था

   (य) तुम चन्दन हम पानी किस विधा की रचना है– 1
   (क) नाटक (ख) संस्मरण
   (ग) निबंध (घ) आत्मकथा

2. (अ) सूफी काव्यधारा के कवि है– 1
   (क) जायसी (ख) रैदास
   (ग) तुलसी (घ) नानक

   (ब) तारसप्तक का प्रकाशन वर्ष है– 1
   (क) 1953 (ख) 1943
   (ग) 1935 (घ) 1919

   (स) छायावादी युग की रचना नही है– 1
   (क) पल्लव (ख) आंसू
   (ग) साकेत (घ) झरना

   (द) सुमित्रानन्दन पंत की रचना है। 1
   (क) उर्वशी (ख) पल्लव
   (ग) परिमल (घ) कामायनी

   (य) रामचरित मानस मे कुल काण्डों की संख्या है। 1
   (क) आठ (ख) सात
   (ग) नौ (घ) छः

modelpaper.info

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म–विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात देखना चाहते हैं। यही राष्ट्र–संवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है। जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके आगे बढाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं।

प्र० (क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) 'राष्ट्र–संवर्धन' का प्रकार स्पष्ट कीजिए।
(घ) 'अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है' का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ङ) लेखक किस राष्ट्र का स्वागत करना चाहता है?

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।
झुके कूल सों जल परसन हित मनहुँ सुहाये।।
किधौं मुकुर में लखत उझकि सब निज–निज सोभा।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा।।
मनु आतप वारन तीन कौ सिमिटि सबैं छाये रहत।
कै हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत।।

modelpaper.info

प्र० (क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) जलरूपी दर्पण में अपनी शोभा देखने के लिए कौन आगे झुक गए हैं?
(घ) कवि के अनुसार किन्हें देखकर नेत्रों को और मन को सुख प्राप्त होता है?
(ङ) उपर्युक्त पंक्तियाँ किन अलंकारों से सुशोभित हैं?

5. (क) निम्नलिखित मे से किसी एक लेखक का सहित्य परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 5

(अ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब)डा० वासुदेव शरण अग्रवाल
(स) डा० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित मे से किसी एक कवि की साहित्य परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। 5

(अ) रामधारी सिंह दिनकर (ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
(स) जयशंकर प्रसाद

6. निम्नलिखित मे से किसी एक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 5

(क) पंचलाइट (ख) बहादुर

अथवा

'कर्मनाशा की हार' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो मे से किसी एक का उत्तर कीजिए। 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्रों का संक्षेप में विवरण दीजिए।
(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का विवरण दीजिए।
(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताओ पर प्रकाश डालिए।
(घ) 'आलोकवृत' खण्डकाव्य के सन्देश को स्पष्ट कीजिए।
(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की किसी घटना का उल्लेख कीजिए।
(च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का उल्लेख कीजिए।

क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी मे अनुवाद कीजिए। 7

यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनी विषूचिकया पञ्चत्वं गता। वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवङ्गतः। द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्य मनसि–कथमहं कथं वायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः प्रज्वलितः। एकस्मिन् दिवसे अस्तङ्गते भगवति भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत्।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी मे अनुवाद कीजिए। 7

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः।।

. निम्नलिखित मे से किन्ही दो प्रश्नो का उत्तर संस्कृत मे दीजिए। 4

(क) कस्य साहित्यं सरसं व्याकरणं च सुनिश्चितम्?
(ख) का भाषा देवभाषा इति नाम्ना ज्ञाता?
(ग) वित्तेन कस्य आशा न अस्ति?
(घ) दिलीपः किमर्थं बेलिमगृहीत्?

0. (क) वीर रस अथवा रौद्र रस की स्थायी भाव के साथ परिभाषा या उदाहरण लिखिए। 2

(ख) अनुप्रास अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा या उदाहरण लिखिए। 2

(ग) दोहा अथवा रोला छन्द का मात्राओ के साथ उदाहरण या परिभाषा लिखिए। 2

. निम्नलिखित मे से किसी एक विषय पर अपनी भाषा–शैली पर निबन्ध लिखिए। 9

(क) आतंकवद की समस्या
(ख) स्वच्छ भारत मिशन
(ग) विज्ञानः – वरदान या अभिशाप
(घ) भारत का किसान
(ङ) मेरे सपनों का भारत

(क) 'नयतः' अथवा 'दास्यति' रूप किस धातु के किस लकार किस पुरूष तथा किस वचन का है? 2

modelpaper.info

(ख) 'श्रीमान्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(क) क्त्वा (ख) मतूप

(ग) तल् (घ) त्व

(ब) 'नामन्' तृतीया बहुवचन का रूप होगा– 1

(क) नामभ्याम् (ख) नाम्नाम्

(ग) नामभिः (घ) नामसु

(ग) (अ) 'पा + क्त्वा' से निर्मित शब्द है– 1

(क) पीतः (ख) पीत्वा

(ग) पानीयः (घ) पीताः

(ब) 'राज्ञे' शब्द रूप है 'राजन्' शब्द के– 1

(क) तृतीय एकवचन का (ख) चतुर्थी एकवचन का

(ग) पंचमी, एकवचन का (घ) सप्तमी, एकवचन का

(घ) रेखांकित पदो में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए। 2

(क) सः पादेन खञ्जः।

(ख) छात्रेषु गोविन्दः श्रेष्ठः।

(ग) रामेण सह सीता वन गतवान्।

13. (अ) तच्चौरः का सन्धि विच्छेद है। 1

(क) तच् + चौर (ख) तः + चौरः

(ग) तत् + चौरः (घ) त + चौरः

(ब) 'चक्रपाणि' में समास है– 1

(क) कर्मधारय समास (ख) अव्ययी भाव समास

(ग) बहुव्रीहि समास (घ) द्वन्द्व समास

(स) सत्कार का सन्धि विच्छेद है। 1

(क) सत + कार (ख) सत् + कारः

(ग) सद् + कारः (घ) स + त्कारः

(द) 'महाजनः' में समास है– 1

(क) कर्मधारय समास (ख) अव्ययी भाव समास

(ग) बहुव्रीहि समास (घ) द्वन्द्व समास

(य) प्रतिदिनम् में समास है। 1

(क) तत्पुरुष (ख) द्विगु

(ग) कर्मधारय (घ) अव्ययीभाव

14. निम्नलिखित में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 4

(क) चोरों ने धनिक का धन चुराया। (ख) हम परसो वाराणसी जाएंगे।

(ग) क्या तुम खाना खाओगे? (घ) जंगल में एक शेर रहता था

(ङ) स्नान करने से रुप की रक्षा होती है।

modelpaper.info